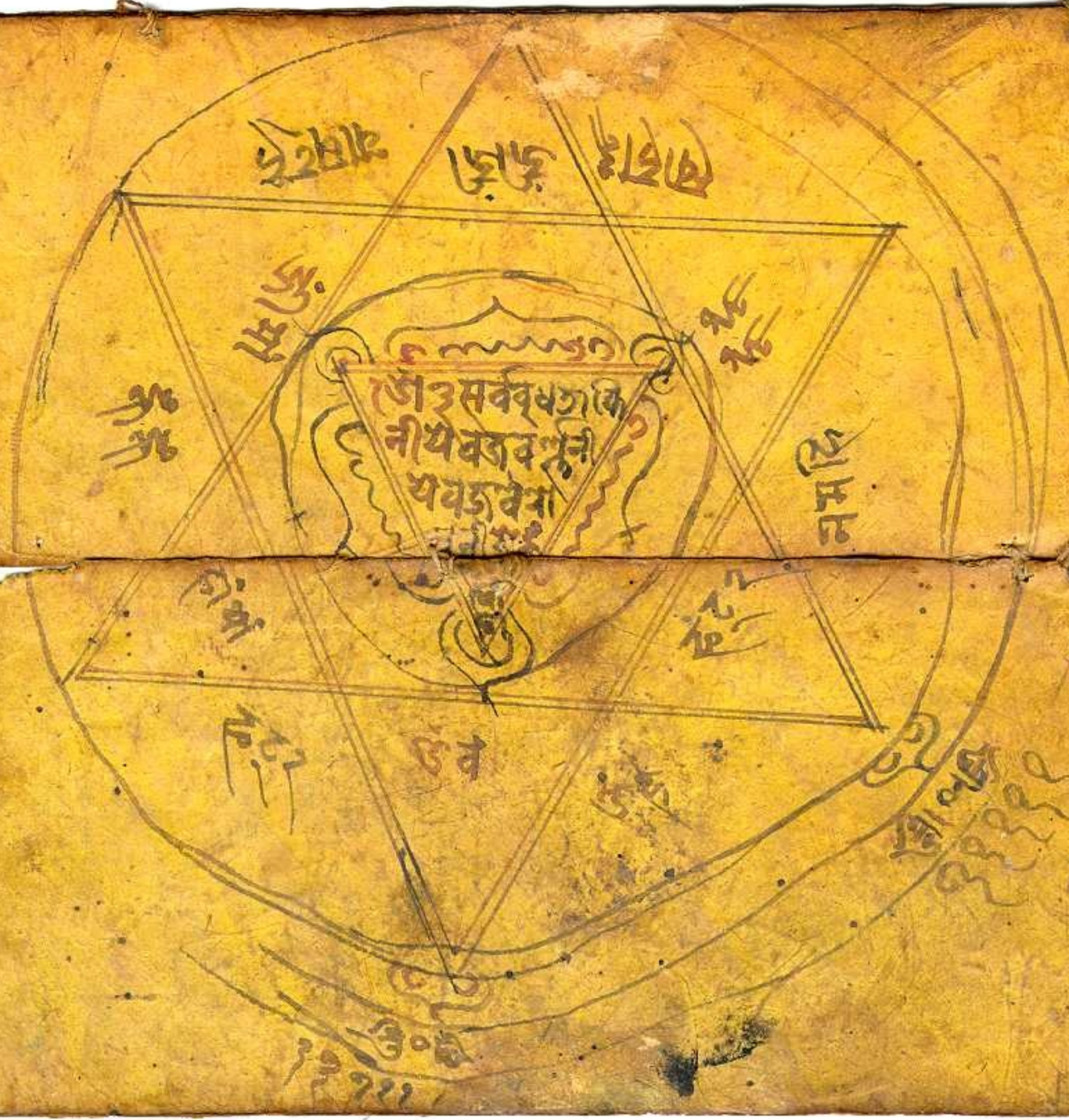


॥ १ ॥ अथ विष्णुसहस्रनाम ॥
 ॥ २ ॥ अथ विष्णुसहस्रनाम ॥
 ॥ ३ ॥ अथ विष्णुसहस्रनाम ॥
 ॥ ४ ॥ अथ विष्णुसहस्रनाम ॥
 ॥ ५ ॥ अथ विष्णुसहस्रनाम ॥
 ॥ ६ ॥ अथ विष्णुसहस्रनाम ॥
 ॥ ७ ॥ अथ विष्णुसहस्रनाम ॥
 ॥ ८ ॥ अथ विष्णुसहस्रनाम ॥
 ॥ ९ ॥ अथ विष्णुसहस्रनाम ॥
 ॥ १० ॥ अथ विष्णुसहस्रनाम ॥



सोम

अं

ॐ

ॐ

नमः

सर्वव्यापि
नीयवज्रवर्णी
यवज्रवर्णी

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

क्रिष्णद्वारे गन्धमादन विनिविनिवासित दंवा सुनसगलर
 विहंगनदाना रुमननिधोयाविकानित यथा मनीरुवा । उदं
 वलदृक्षा घनवलपत्रवा आभादसूया डेनकशृंग ॥ ५८ ॥
 पश्चिमद्वारे सुय्याष्टमगिति अखमुवृक्षा घनपत्रवारवेद
 यत्रन्नात्रयसंयन्ना दवदानवगनसर्वमाना देदिप्यमाना गि
 यनविस्ति नाद्यवतनूतनमादिता ॥ ५९ ॥ डरुनकावाहित

वदिवाडा, हिमकनकमयसभं वनासारगंगमगीथादि व
रुनिवदवा यरु यरुलीगुटाविलागिता नारिगन्धमनाद
न निवयासर्वत सिक्कलयरुमिडरुमा ॥ ५२ ॥ ७ ॥
रुमवजतनिकासा विजुतीधर्ममूडा अग्निनिडलजयाना वापयः
स्यारुमाया विमुखमकूटक्षत्री सर्वभागयुदात्री वलगलप्रहमा
मा सर्वदाताजममु ॥ ॥ गुरु ॥

रागनाटा तावमाथा भदनिडल अग्निवायुमधुल डयस्मिन्तीसमं वृणा
नावन्नमयकलिकडकन नऊमीस्मिन्तीसमं वृणा नमामि २ ग्रीगुववजसत्त अ
नगगुहानिषि सागना २ विन्दनाथविश्ववापिक गुवृत्तिरुवहासंयुक्तिः
ना आकाशवर्धुमुखनयनसविमान वज्रधनुषाविता ॥ ५३ ॥ शिलकम्
वर्धुसुसरासुना वन्नमकूटगिरि २ वन्नकधुलसुवसिचिवना सत्वयय
कमीस्मिन्ती ॥ ५४ ॥ ननुवेदियदिगजलनादि वन्नमधुलसंयुक्थे २ रुदि